standard, on the Services and academic subjects are not available. The National Defence Academy use the same type of text books which are in use in other Universities and training establishments. Their translation into Hindi under the arrangements of National Defence Academv or Defence Ministry is not practicable.

†[**प्रतिरक्षा मंत्री (श्री वी० के० कृष्ण मेनन)** : (क) तथा (ख) राष्ट्रीय प्रतिरक्षा अकादमी में हिन्दी को शिक्षा का माध्यम बनाने के लिये, कोई ऐसी योजना नहीं बनाई गई, तदपि, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा अकादमी में, हिन्दी एक आवश्यक विषय के तौर पर पढ़ाई जाती है। हिन्दी, शारीरिक व्यायाम, ड्रिल और अस्त्र शस्त्र प्रशिक्षण जैसे विषयों के लिये शिक्षा का माध्यम भी है।

राष्ट्रीय प्रतिरक्षा अकादमी में देश के हर भाग से छात्र दाखिल किये जाते हैं, इसलिये शिक्षा के माध्यम के तौर पर, इतना शीघ्र, हिन्दी को अपनाना ठीक नहीं होगा। सेवाओं और शिक्षा सम्बन्धी विषयों पर, आवश्यक स्तर की, पाठ्य पुस्तकें हिन्दी में प्राप्य नहीं हैं। राष्ट्रीय प्रतिरक्षा अकादमी उसी भांति की पाठ्य पुस्तकें इस्तेमाल करती है, जो विश्वविद्यालयों और प्रशिक्षण संस्थाओं द्वारा इस्तेमाल की जाती हैं। राष्ट्रीय प्रतिरक्षा अकादमी अथवा प्रतिरक्षा मंत्रालय के प्रबन्ध में उनका अनुवाद कार्यान्वित नहीं किया जा सकता।]

भारतीय वैज्ञानिकों तथा तकनीकियों का पूल

***६२५. श्री राम सहाय** : क्या **गृह-कार्य** मंत्री २८ अप्रैल, १९६० को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न संख्या २०० के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय वैज्ञानिकों तथा तकनीकियों के पूल में से नियुक्ति के लिये चुने गये कुल १२३ व्यक्तियों में से जो ६६ नियुक्त होने को रह गये थे, क्या वे नियुक्त कर लिये गये हैं ; और

(ख) जो लोग नियुक्त किये गये थे, किन्तु विदेशों में थे, क्या वे वापस भारत आ गये हैं ?

POOL OF INDIAN SCIENTISTS AND TECHNOLOGISTS

*625. SHRI RAM SAHA!.. Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to refer to the answer given to Unstarred Question No. 200 in the Rajya Sabha on the 28th April, 1960 and state:

(a) whether the remaining 66 persons out of the total of 123 selected for appointment from the pool of the Indian Scientists and Technologists have since been appointed; and

(b) whether those persons who were appointed but were in foreign countries, have since come back to India?!

गृह-कार्य मंत्री (श्री गोविन्द बल्लभ पन्त) (क) इनमें से ११ पूल में सम्मिलित हुए हैं, और आशा की जाती है कि २ शीघ्र सम्मिलित होंगे।

(ख) यद्यपि बाहर रहते हुए भी पूल के लिये चुने जा सकते हैं, वह लोग भारत वापिस आने पर ही नियुक्त किये जाते हैं। इन ६६ में से २३ भारत वापिस आ गये हैं।

UTHE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI GOVIND BALLABH PANT): (a) Of these, 11 have joined the Pool and 2 are expected to join soon.

(b) Persons are appointed to the Pool only after their return to India, even though they may be selected while they are abroad. Of these 66 persons, 23 have returned to India.]

t [ ] English translation.

†[ ] Hindi translation.

श्री राम सहाय : ये जो २३ व्यक्ति भारत में आये हैं उनमें से कितने ले लिये गये हैं और कितने बाकी रह गये हैं ?

श्री गोविन्द बल्लभ पन्त : इसमें मैंने कहा है कि ११ पूल में सम्मिलित हुए हैं और बाकी जो हैं उनमें से २ के बारे में अभी लिखा-पढ़ी हो रही है या उनकी कहीं पर नियुक्ति करने का प्रश्न देखा जा रहा है। २ ने कोई जवाब नहीं दिया, ४ और जगह कामों में लग गये, १ का मामला खत्म हो गया क्योंकि उनकी तरफ से कोई ख्वाहिश मालूम नहीं हुई और ३ से अभी लिखा-पढ़ी हो रही है ।

श्री राम सहाय : जो अभी वापिस आये हैं उनमें से साइन्स जानने वाले या इंजीनियरिंग जानने वाले कुछ व्यक्ति हैं क्या ?

श्री गोविन्द बल्लभ पन्त : मेरा खयाल है कि ज्यादातर ऐसे ही लोग होंगे ।

SHRI T. S. AVINASHILINGAM CHETTIAR: This scheme works for the reason that many of our scientists and technologists have settled in the U.S.A. and this is to attract them back to our country. So I cannot understand how out of 123, only 66 persons have been selected for appointment in this country. May I know whether all people who applied have not been selected?

SHRI GOVIND BALLABH PANT: All people who applied for the pool have not been selected. The selections have been made at the spot, in some cases by the Chairman of the U.P.S.C, himself and in some others, in collaboration with the experts in our Embassies and others in the countries concerned.

BOOKS PUBLISHED IN INDIA DURING THE YEAR 1959

*626. SHRI BAIRAGI DWIBEDY: Will the Minister of SCIENTIFIC RESEARCH AND CULTURAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether, according to the United Nations Statistical Year Book I960, India published 17,433 books in the year 1959 out of which 16,117 were first editions;

(b) if so, whether this number of books, including first editions, includes translations of foreign books also; and

(c) if the answer to part (b) above be in the affirmative, what is the number of such foreign books translated into various Indian languages?

THE MINISTER OF SCIENTIFIC RESEARCH AND CULTURAL AFFAIRS (SHRI HUMAYUN KABIR): (a) These figures relate to the year 1958 and were published in the United Nations Statistical Year Book 1959 (not 1960).

(b) Yes, Sir.

(c) 439, including 429 first editions.

SHRI BAIRAGI DWIBEDY: May I know in how many languages the books are published in India?

SHRI HUMAYUN KABIR: The bibliography published is in English and includes all the languages recognised in the Constitution. We have also included English and Sindhi.

SHRI FARIDUL HAQ ANSARI: How many in Urdu have been published in India during this period?

SHRI HUMAYUN KABIR: That question requires notice for answer, because I have the list of only the total here but I would refer the hon. Member to the bibliography which we have published and which is available in the Library in which lists are given both subject-wise and language-wise.

श्री पां० ना० राजभोज : क्या मैं यह जान सकता हूं कि इन किताबों में से सरकार की तरफ से कितनी किताबें प्रकाशित हुई हैं और किताबों के विषय के अनुसार क्लासिफिकेशन कैसा है ?